लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 29 March 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

21 साल बाद फिर मिली भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी

लविवि ने वर्ष 2002 में आखिरी बार थामी थी आयोजन की बागडोर, यूनिवर्सिटी अब तक पांच बार संभाल चुकी है जिम्मेदारी

माई सिटी रिपोर्टर

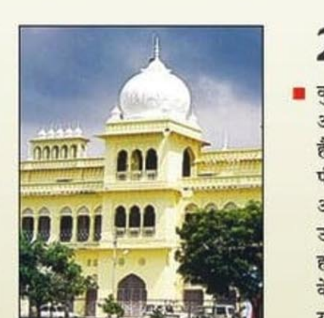

लखनऊ। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 109वें वार्षिक सत्र की मेजबानी के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को चुना गया है। यह आयोजन तीन से सात जनवरी 2024 के बीच होगा। परंपरा के तौर पर प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन और राष्ट्रपति समापन करते हैं। लविवि ने आखिरी बार वर्ष 2002 में इसकी मेजबानी की थी। यूनिवर्सिटी अब तक वर्ष 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में इसकी मेजबानी कर चुकी है।

20 हजार से ज्यादा वैज्ञानिक जुटेंगे

■ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विज्ञान के इस वैश्विक आयोजन की मेजबानी करना लखनऊ विवि के लिए गौरव की बात है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना का विचार यहां के प्रोफेसर पीएस मैकमोहन और प्रो. जेएल सिमोंसेन ने ही दिया था। इस बार आयोजन में दुनियाभर के 20 हजार से ज्यादा वैज्ञानिकों के जुटने की उम्मीद है। इसमें नोबल पुरस्कार पाने वाले वैज्ञानिक भी शामिल होंगे। कुलपति के अनुसार, नैक ए प्लस प्लस का ग्रेड हासिल करने के बाद लविवि को वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का यह अच्छा मौका है। कमेटी की स्वीकृति के बाद विवि ने आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इन वर्गों के विशेषज्ञ होते हैं शामिल

भारतीय विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान के कई वर्ग के विशेषज्ञ शामिल होते हैं। इनमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु चिकित्सा और मत्स्य विज्ञान, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान सहित), रासायनिक विज्ञान, पृथ्वी प्रणाली विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूचना और संचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर सहित विज्ञान), गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित), चिकित्सा विज्ञान (फिजियोलॉजी सहित), न्यू बायोलॉजी (जैव रसायन, बायोफिजिक्स और आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान सहित) शामिल हैं। इनके अलावा भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी लगेगी।

फर्जी अंकपत्र मामले में पांचवां कर्मचारी निलंबित

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में वर्ष 2019 के बाद एक बार फिर से फर्जी अंकपत्र का मामला चर्चा में आ गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की मौजूदगी में विवि की कार्य परिषद की बैठक में मंगलवार को परीक्षा विभाग के पांचवें कर्मचारी के निलंबन पर सहमति बनी। इस कर्मचारी का नाम पुलिस ने अपनी चार्जशीट में शामिल किया है।

कार्य परिषद की बैठक

वर्ष 2019 में हिमाचल प्रदेश में लविवि के फर्जी अंकपत्र मिले थे। इस मामले में उस समय लविवि के चार कर्मचारियों को निलंबित किया गया था। अब पांचवां नाम इसमें शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस की जांच में अब एक और कर्मचारी का नाम चार्जशीट में शामिल किया गया है। इसे देखते हुए लविवि प्रशासन ने उसे भी निलंबित करने का फैसला किया है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कार्य परिषद ने कर्मचारी को निलंबित करने पर सहमति दे दी है। जल्द ही इसका आदेश जारी किया जाएगा।

एमएससी में दो छात्रों को मिलेगी स्कॉलरशिप

लविवि कार्य परिषद की बैठक में डॉ. वर्षा शर्मा के नाम से एमएससी में दो मेधावियों को 18-18 हजार रुपये की स्कॉलरशिप के प्रस्ताव पर मुहर लगी। भृगु मेमोरियल अवॉर्ड को पदक के नाम से संशोधित करने, शिक्षाशास्त्र विभाग में पांच शिक्षकों की नियुक्ति व शिक्षकों के लिफाफे खोलने पर भी मुहर लगी। बैठक में योग के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. अशोक सोनकर को डीन बनाने का प्रस्ताव पास हुआ। कुलसचिव संजय मेधावी ने शाम को इसका आदेश भी जारी कर दिया।

लविवि : छूटी प्रयोगात्मक परीक्षाएं 3 व 5 अप्रैल को

लखनऊ। लविवि में बीएससी बॉटनी के विषम सेमेस्टर की छूटी हुई प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथियां मंगलवार को जारी कर दी गई। वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह ने बताया कि बीएससी बॉटनी प्रथम, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों की छूटी हुई परीक्षाएं 3 व 5 अप्रैल को सुबह 10 बजे से विभाग में कराई जाएंगी। (संवाद)

लविवि में अचानक शुरू हो गए पीएचडी के साक्षात्कार

कुछ घंटे पहले वेबसाइट पर अपलोड की सूचना

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। पीएचडी में दाखिले के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में साक्षात्कार की प्रक्रिया मंगलवार से अचानक शुरू कर दी गई है। जबकि इसकी सूचना विवि प्रशासन ने सोमवार रात तक भी वेबसाइट पर अपलोड नहीं की थी। हालांकि विवि प्रशासन ने दावा किया कि संबंधित अभ्यर्थियों को इसका ईमेल किया गया था।

लविवि में 39 विषयों में पीएचडी की 1231 रेग्युलर सीटों पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन पांच और छह मार्च को हुआ था। इसका रिजल्ट पिछले सप्ताह जारी किया गया। पीएचडी प्रवेश परीक्षा 70 नंबर की थी। अब 30 नंबर के लिए साक्षात्कार होने हैं। इनके कुल अंकों के आधार पर फाइनल मेरिट बनेगी। लविवि ने घोषणा की थी कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। सोमवार रात तक वेबसाइट पर इसका कोई कार्यक्रम अपलोड नहीं किया गया। मंगलवार सुबह वेबसाइट पर अभ्यर्थियों ने इसका कार्यक्रम देखा। इसके बाद काफी अभ्यर्थी भागते हुए साक्षात्कार देने पहुंचे। दूरदराज के अभ्यर्थियों को इससे काफी असुविधा भी हुई।

पीएचडी के 39 विषयों में 1231 रेग्युलर सीटों पर होने हैं दाखिले

> “अपलोड करने में हो गई देरी
>
> सभी सफल अभ्यर्थियों को ईमेल के माध्यम से साक्षात्कार की सूचना दे दी गई थी। कार्यक्रम वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया है। इसमें कुछ देरी हो गई है, लेकिन सक्षात्कार के लिए ज्यादातर अभ्यर्थी उपस्थित हुए हैं। इसका मतलब है कि सभी को सूचना मिल चुकी है। **डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव**, प्रवक्ता लविवि

साक्षात्कार कार्यक्रम

- 28-29 मार्च - कॉमर्स
- 31 मार्च - लोक प्रशासन, बायोकेमिस्ट्री, बॉटनी
- 31 मार्च- 1 अप्रैल - जूलॉजी
- 1 अप्रैल- भाषा विज्ञान, सांख्यिकी
- 3 अप्रैल- पर्शियन
- 4 अप्रैल- प्राचीन भारतीय इतिहास
- 5 अप्रैल- भूगोल, ओरिएंटल संस्कृत, मानवशास्त्र, पेंटिंग, अप्लाइड इकनॉमिक्स, फिजिक्स
- 5-6 अप्रैल- एमएचआईएच, केमिस्ट्री
- 5-6-8 अप्रैल- पॉलिटिकल साइंस, सोश्योलॉजी
- 6 अप्रैल- रक्षा अध्ययन, फ्रेंच, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, उर्दू, लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस, गणित, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, एजुकेशन,
- 8 अप्रैल- फिलॉसफी, सोशल वर्क, जियोलॉजी। ■ 10 अप्रैल- फिजिकल एजुकेशन, संस्कृत। ■ 10-11 अप्रैल- अर्थशास्त्र। ■ 11-12 अप्रैल- हिंदी।

पार्ट टाइम पीएचडी के अभ्यर्थी 31 से जमा करेंगे शोध प्रस्ताव

लखनऊ। लविवि ने मंगलवार को पार्ट टाइम पीएचडी के अभ्यर्थियों के रिसर्च प्लान राइटअप व प्रपत्र सत्यापन की तिथियां जारी कर दीं। केंद्रीय प्रवेश समन्वयक ने बताया, अभ्यर्थी वेबसाइट www.lkouniv.co.in पर यह सूची देख सकते हैं। जारी सूची के मुताबिक, वाणिज्य पाठ्यक्रम के अभ्यर्थी 31 मार्च को सुबह 10 बजे अपना शोध, योजना विभाग में जमा करेंगे। जबकि एक बजे से अपने मूल प्रपत्रों का सत्यापन करवाएंगे। जंतु विज्ञान व सांख्यिकी विभाग के अभ्यर्थी एक अप्रैल को अपनी शोध योजना विभाग में जमा करेंगे। अंग्रेजी व पेंटिंग विभाग के अभ्यर्थी पांच अप्रैल, उर्दू, फ्रेंच, एप्लायड इकोनॉमिक्स, व्यापार प्रबंधन और लोक प्रशासन व फिजिक्स विभाग के अभ्यर्थी छह अप्रैल, समाजकार्य व केमिस्ट्री के अभ्यर्थी आठ व हिंदी के 12 अप्रैल को विभाग में अपनी शोध योजना जमा करेंगे। उसी दिन मूल प्रपत्रों का सत्यापन भी संबंधित विभाग में होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू को भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी मिली

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय को भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) के 109वें वार्षिक सत्र की मेजबानी करने का मौका मिला है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा प्रदान की गई इस बड़ी जिम्मेदारी के लिए हमें बहुत गर्व है। यह मेगा वैज्ञानिक वैश्विक कार्यक्रम तीन से सात जनवरी, 2024 में आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन में दुनिया भर से कम से कम 20 हजार प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। इसमें विश्व के कई नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिक भी प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि परंपरागत रूप से भारत के प्रधानमंत्री इस मेगा इवेंट का उद्घाटन करते हैं। विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री के स्वागत को उत्सुक है।

पांच बार मेजबानी कर चुका है एलयू लखनऊ विश्वविद्यालय ने इससे पहले 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में 5 बार आईएससी की मेजबानी की है। स्थापना का विचार भी एलयू के प्रो. पीएस मैक मोहन और प्रो. जेएल सिमोंसेन द्वारा दिया गया था।

आईएससी में चौदह वैज्ञानिक वर्गों के शिक्षाविद् बैठक करेंगे। जिसमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु, पशु चिकित्सा व मत्स्य, मानव व व्यवहार विज्ञान जैसे पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान पर विचार विमर्श होगा। साथ ही रासायनिक, पृथ्वी प्रणाली, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, सूचना व संचार, प्रौद्योगिकी, गणितीय, चिकित्सा और न्यू बायोलॉजी विज्ञान पर सभी वैज्ञानिक शिक्षाविद् अपने विचार रखेंगे। इसके अलावा भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति व कौशल की प्रदर्शनी भी शामिल है।

पीएचडीः शाम को जारी हुआ मेल, सुबह इंटरव्यू

मंगलवार को वाणिज्य विभाग में शार्टलिस्टेड अभ्यर्थियों को दो पालियों में साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था। अभ्यर्थियों ने बताया कि इंटरव्यू की जानकारी के लिए 27 मार्च को दोपहर 12 बजे के बाद टेक्स्ट मैसेज के रूप में सबसे पहले जानकारी मिली थी। उसके बाद किसी महिला ने फोन कर बताया। फिर आखिर में शाम को करीब छह बजे विश्वविद्यालय की ओर से ऑफिशियल ई-मेल प्राप्त हुआ। इस बाबत समन्वयक केन्द्रीयकृत परीक्षा डॉ. पंकज माथुर का कहना है कि जिन छात्रों का इंटरव्यू मंगलवार को नहीं हो सका है। उन्हें बुधवार को मौका मिलेगा। वहीं फुल टाइम पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 2022-23 के साक्षात्कार और दस्तावेज सत्यापन की तारीख घोषित कर दी गई है। एलयू की वेबसाइट पर जाकर तारीख व समय देख सकते हैं।

10 कॉलेजों में नए पाठ्यक्रम मंजूर

कार्यपरिषद

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को कार्य परिषद की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि कार्य परिषद की बैठक में 16 शिक्षकों के प्रमोशन के लिफाफे खुले। लगभग 10 कॉलेजों में नए पाठ्यक्रम शुरू करने को मंजूरी दी गई। इसमें कुछ कोर्सो को स्थायी और कुछ को अस्थायी तौर पर मान्यता प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि कार्य परिषद की बैठक में शिक्षा शास्त्र विभाग में पांच सहायक प्रोफेसरों को नियुक्त किया गया है।

कुछ शिक्षकों ने दूसरे संस्थानों में जॉइन कर लिया है, लिहाजा उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। इसके अलावा फाइनेंस कमेटी की बैठक में तय हुए बजट को कार्य परिषद की बैठक में पास कर दिया गया है। वहीं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कार्य परिषद की बैठक में अप्रैल, 2019 के फर्जी मार्कशीट प्रकरण में चार्जशीटेट क्लर्क को सस्पेंड करने का निर्णय भी लिया गया है।

कुलपति प्रो. आलोक राय के मुताबिक एलयू में अप्रैल 2019 में फर्जी मार्कशीट मामले का खुलासा हुआ था। इसमें हसनगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कई लोगों को गिरफ्तार किया था। कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हुई थी। कार्य परिषद में 16 शिक्षकों के प्रमोशन के लिफाफे खोले गए।

इन फैसलों पर भी मुहर

- सकारात्मक मनोविज्ञान पेपर में सर्वाधिक अंक पाने वाले को दीक्षांत समारोह में स्वर्ण।
- एंडोमेंट फंड में एलयू की पूर्व छात्रा डॉ. वर्षा शर्मा के नाम से स्कॉलरशिप के लिए 12 लाख 50 हजार जमा कराए गए हैं।
- संकायाध्यक्ष, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के पद पर प्रो. अशोक कुमार सोनकर को कार्यभार लेने की सहमति भी बनी।

एलयू के छात्र पढ़ेंगे राम मनोहर लोहिया के विचार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों के बारे में पढ़ाया जाएगा। जिसे पाठ्यक्रम में जोड़ने की तैयारी भी कर ली गई है। समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डी. आर. साहू ने बताया कि देश में महात्मा गांधी के बाद डॉ. लोहिया ही एक ऐसे मौलिक विचारक थे जिन्होंने सामाजिक समता की बात कही।

PIONEER PAGE 3

लविवि कार्य परिषद की बैठक

कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत 16 शिक्षकों के प्रमोशन पर लगी मुहर

शिक्षाशास्त्र विभाग में 5 सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति को मिली हरी झंडी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. सोनकर बने योगा व वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के संकायाध्यक्ष

बेटे ने मां के नाम पर स्कॉलरशिप के लिए दिए 12.5 लाख रुपए

छात्रों में इकोनॉमिक्स को पापुलर बनाने के लिए एसोसिएशन का गठन करेगा अर्थशास्त्र विभाग

109 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी करेगा लविवि

JAGRAN CITY PAGE III

रेगुलर के साक्षात्कार शुरू, पार्ट टाइम के 31 से

लवि ने अभ्यर्थियों को पहले दिन सोमवार दोपहर से शाम तक दी पीएचडी इंटरव्यू की सूचना

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2022-23 के रेगुलर पीएचडी दाखिले के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया मंगलवार को शुरू कर दी। सुबह नौ बजे से कामर्स विषय में प्रवेश के लिए होने वाले इंटरव्यू की सूचना अभ्यर्थियों को सोमवार दोपहर से शाम सात बजे के बीच ई-मेल, मैसेज और फोन करके दी गई। आनन-फानन में अभ्यर्थी इसमें शामिल होने सुबह पहुंचे। लखनऊ के बाहर से आए अभ्यर्थियों का उनका कहना था कि इसकी सूचना अचानक मिली तो तुरंत चल दिए। दूसरी ओर एडमिशन सेल की ओर से रेगुलर के 36 और पार्ट टाइम के 14 विषयों में इंटरव्यू की तिथि मंगलवार को जारी कर दी गई। पार्ट टाइम के इंटरव्यू 31 मार्च से शुरू होंगे। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर का कहना है कि सोमवार को कामर्स विभाग में इंटरव्यू का पत्र मिला तो सभी अभ्यर्थियों को सूचना दी गई। यदि कोई पहले दिन नहीं शामिल हो पाया है तो मंगलवार को भी आ सकता है।

लवि : 16 शिक्षकों को प्रोन्नति, एक बाबू होगा निलंबित

लवि में वर्ष 2019 में हुए फर्जी मार्कशीट मामले में एक और बाबू को निलंबित किया जाएगा। मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक राय की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की बैठक में इस पर सहमति बनी। इसके अलावा लवि के चार विभागों के 16 शिक्षकों की प्रोन्नति और शिक्षा शास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर पांच नियुक्तियों, पूर्व से संचालित 10 डिग्री कालेजों में अतिरिक्त विषय एवं पाठ्यक्रमों को चलाने के लिए अस्थायी सहयुक्तता देने पर भी अनुमति दे दी गई। मनोविज्ञान विभाग की प्रो. मधुरिमा प्रधान हर साल अपने पिता की स्मृति में सकारात्मक मनोविज्ञान पेपर में सर्वाधिक अंक लाने वाले मेधावी को भृगु प्रकाश स्मृति पुरस्कार देती थीं। अब भृगु प्रकाश मेमोरियल स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र दिया जाएगा। पूर्व छात्रा डा. वर्षा शर्मा के अभिभावक बेटी के नाम से छात्रवृत्ति शुरू करना चाहते हैं। डा. वर्षा 1977 बैच स्कालरशिप अवार्ड के नाम से 12,50,000 का एंडोमेंट फंड स्थापित किया गया है। एमएससी के दो टापर को 18-18 हजार प्रतिमाह दिया जाएगा।

अब योग फैकल्टी में भी डीन

कार्य परिषद में योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के पद पर नियुक्ति का प्रस्ताव भी पास किया गया। विधि संकाय के प्रो. अशोक सोनकर को यहां का डीन बनाने पर सहमति बनी। उनका कार्यकाल तीन साल या अधिवर्षता आयु पूरी करने तक होगा।

पीएचडी रेगुलर में इंटरव्यू की तिथि: 29 मार्च-कामर्स, 31 मार्च-बायोकेमिस्ट्री, बाटनी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 31 मार्च व एक अप्रैल-जूलाजी, एक अप्रैल-लिंग्विस्टिक्स, सांख्यिकी, तीन अप्रैल-इंग्लिश, पर्शियन।

पार्ट टाइम विषयों के लिए इंटरव्यू की तिथि : 31 मार्च-कामर्स, एक अप्रैल-सांख्यिकी, जूलाजी, पांच अप्रैल-इंग्लिश, छह अप्रैल-पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, उर्दू, फ्रेंच, एप्लाइड इकोनामिक्स, फिजिक्स, आठ अप्रैल-केमिस्ट्री, सोशल वर्क।

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ विश्वविद्यालय शैक्षिक सत्र 2022-23

पीएचडी में रेगुलर के इंटरव्यू शुरू, पार्ट टाइम के 31 मार्च से

LUCKNOW (28 March) : लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2022-23 के रेगुलर पीएचडी दाखिले के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई. पार्ट टाइम के लिए इंटरव्यू 31 मार्च से शुरू होंगे. रेगुलर पीएचडी प्रवेश में पहले दिन सुबह नौ बजे से कामर्स के अभ्यर्थियों का इंटरव्यू हुआ. वहीं, एडमिशन सेल की ओर से रेगुलर के 36 और पार्ट टाइम के 14 विषयों में इंटरव्यू की तिथि मंगलवार को जारी कर दी गई.

एलयू प्रशासन ने जारी की विभिन्न विषयों के इंटरव्यू की डेट्स

टाइम टेबल कर दिया गया है जारी

एलयू एवं डिग्री कालेजों में पीएचडी रेगुलर की 1231 और पार्ट टाइम की 50 सीटों पर प्रवेश लिए जाने हैं. सोमवार देर रात विश्वविद्यालय की एडमिशन सेल ने कामर्स के इंटरव्यू की समय सारिणी वेबसाइट पर जारी कर दी. अभ्यर्थियों को शाम को ई-मेल और मैसेज के जरिए सूचना भेजी गई. आनन-फानन मंगलवार को सुबह अभ्यर्थी इंटरव्यू देने पहुंचे. उनका कहना था कि प्रशासन को कम से कम दो दिन पहले तो सूचना देनी चाहिए थी. प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर का कहना था कि सभी अभ्यर्थियों को सूचना दे दी गई थी.

जानें पीएचडी रेगुलर में इंटरव्यू की तिथि

29 मार्च-कामर्स, 31 मार्च-बायोकेमिस्ट्री, बाटनी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 31 मार्च व एक अप्रैल-जूलाजी, एक अप्रैल-लिंग्विस्टिक्स, सांख्यिकी, तीन अप्रैल-इंग्लिश, पर्शियन, चार अप्रैल-एआइएच, पांच अप्रैल-फिजिक्स, एप्लाइड इकोनामिक्स, पेंटिंग, एंथ्रोपोलाजी, ओरिएंटल साइंस, छह अप्रैल-उर्दू और लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, एजुकेशन, केमिस्ट्री-पांच, छह अप्रैल, सोशियोलाजी पांच, छह व आठ अप्रैल, पालिटिकल साइंस-छह व आठ अप्रैल, मेडिविअल एंड माडर्न हिस्ट्री-पांच व छह अप्रैल, जाग्रफी-पांच व छह अप्रैल, फ्रेंच-छह अप्रैल, डिफेंस स्टडीज-छह अप्रैल, फिलासफी और सोशल वर्क-आठ अप्रैल, फिजिकल एजुकेशन, संस्कृत-10 अप्रैल, इकोनामिक्स-10 व 11 अप्रैल, हिंदी-11 व 12 अप्रैल.

●पार्ट टाइम विषयों के लिए इंटरव्यू की डेट्स

31 मार्च-कामर्स, एक अप्रैल-सांख्यिकी, जूलाजी, पांच अप्रैल-इंग्लिश, छह अप्रैल-पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, उर्दू, फ्रेंच, एलाइड इकोनामिक्स, फिजिक्स, आठ अप्रैल-केमिस्ट्री, सोशल वर्क.

एपी सेन, शशि भूषण और नारी कालेज में आवेदन एक से शुरू

LUCKNOW (28 March) : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कई एडेड डिग्री कॉलेजों ने अपने यहां स्नातक की आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की तिथि में संशोधन कर दिया है. अब एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स पीजी कालेज और शशि भूषण बालिका विद्यालय डिग्री कॉलेज में एक अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी. अभी तक किसी के यहां 25 मार्च तो किसी ने 10 अप्रैल प्रस्तावित की थी, लेकिन लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) की नई व्यवस्था की वजह से बदलाव किया गया.

एपी सेन गर्ल्स पीजी कॉलेज

प्राचार्या प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव ने बताया कि पहले 10 अप्रैल की तिथि प्रस्तावित थी, लेकिन तैयारी पूरी होने की वजह से प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया एक अप्रैल से शुरू होगी. ऑनलाइन http://www.apsencollege.org/ के साथ-साथ कालेज से भी आवेदन फॉर्म लिए जा सकेंगे. इसके लिए शुल्क 500 रुपये तय है. यहां बीए में 475 सीटें, बीकाम 80 सीटें हैं.

शशि भूषण बालिका विद्यालय डिग्री कॉलेज

स्नातक में प्रवेश के लिए ऑफलाइन आवेदन फार्म एक अप्रैल से मिलने शुरू होंगे. प्राचार्या प्रोफेसर अंजुम इस्लाम ने बताया कि फार्म के प्रास्पेक्टस में एलयूआरएन नंबर के लिए भी स्थान रखा गया है. आवेदन शुल्क 600 रुपये रहेगा. अभ्यर्थियों को एलयूआरएन पर पंजीकरण कराने की सुविधा कालेज में निःशुल्क दी जाएगी. यहां बीए 500 और बीकाम में 60 सीटें हैं.

नारी शिक्षा निकेतन पीजी कॉलेज

यहां तीन अप्रैल से यूजी की आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. सिर्फ ऑनलाइन फॉर्म भरे जा सकेंगे. प्राचार्या प्रो. सपना वर्मा ने बताया कि इसका शुल्क 800 रुपये होगा. बीए- 560, बीएससी-100, बीकाम 80 सीटें हैं. फार्म भरने के लिए http://www.narishikshaniketanpgcollege.com/ पर पर निर्देश अपलोड किए जा रहे हैं.

एलयू करेगा 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी

तीन से सात जनवरी 2024 तक होगा आयोजन

LUCKNOW (28 March) : लखनऊ विश्वविद्यालय छठी बार 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी करेगा. अगले साल तीन से सात जनवरी को होने वाले इस आयोजन की जिम्मेदारी भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन ने विश्वविद्यालय को दी है. कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि परंपरागत रूप से भारत के प्रधानमंत्री इस मेगा इवेंट का उद्घाटन करते हैं. विश्वविद्यालय उनके स्वागत के लिए उत्सुक है.

20 हजार प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

इस विशाल वैज्ञानिक वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर से कम से कम बीस हजार प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है. इसमें विश्व के कई नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिक भी प्रतिभाग करेंगे. इससे पहले भी लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्ष 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी की है. वास्तव में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना का विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पीएस मैकमोहन और प्रोफेसर जेएल सिमोंसेन ने दिया था. अब विश्वविद्यालय को जिम्मेदारी मिलते ही इसके लिए आवश्यक संसाधनों के आकलन की पहल के साथ तैयारी शुरू कर दी है. न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरा लखनऊ शहर भी जश्न में डूबा रहेगा.

इन पर होगा विचार विमर्श

कुलपति ने बताया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस 14 व्यापक वैज्ञानिक वर्गों के शिक्षाविदों के लिए एक बैठक का विशाल क्षेत्र है, जिसमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु, पशु चिकित्सा, मत्स्य विज्ञान, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान सहित), रासायनिक विज्ञान, पृथ्वी प्रणाली विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूचना और संचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर सहित) विज्ञान, गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित), चिकित्सा विज्ञान (फिजियोलाजी सहित), न्यू बायोलाजी (जैव रसायन, बायोफिजिक्स और आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान सहित) पर विचार विमर्श होगा. इनके अलावा, भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी शामिल है.

DAINIK JAGRAN PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय को मिली भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय छठी बार भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी करेगा। 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन अगले साल तीन से सात जनवरी तक होगा, जिसकी जिम्मेदारी भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन ने विश्वविद्यालय को दी है। 22 साल बाद छठी बार लवि को आयोजन की मेजबानी दी गई है।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि परंपरागत रूप से भारत के प्रधानमंत्री इस मेगा इवेंट का उद्घाटन करते हैं। विश्वविद्यालय उनके स्वागत के लिए उत्सुक है। वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर से कम से कम बीस हजार प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। इसमें कई नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिक भी प्रतिभाग करेंगे। विश्वविद्यालय ने आवश्यक संसाधनों के आकलन के साथ तैयारी शुरू कर दी है। न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरा लखनऊ शहर भी जश्न में डूबा रहेगा। संबंधित खबर » 6

भारतीय विज्ञान कांग्रेस में 14 वर्गों के शिक्षाविद करेंगे विमर्श

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस 14 व्यापक वैज्ञानिक वर्गों के शिक्षाविदों के लिए एक बैठक का विशाल क्षेत्र है।

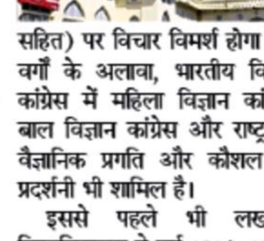

इसमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु, पशु चिकित्सा, मत्स्य विज्ञान, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान सहित), रासायनिक विज्ञान, पृथ्वी प्रणाली विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूचना और संचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर सहित) विज्ञान, गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित), चिकित्सा विज्ञान (फिजियोलाजी सहित), न्यू बायोलाजी (जैव रसायन, बायोफिजिक्स और आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान सहित) पर विचार विमर्श होगा। इन वर्गों के अलावा, भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी शामिल है।

इससे पहले भी लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्ष 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी की है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना का विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पीएस मैकमोहन और प्रोफेसर जेएल सिमोंसेन ने दिया था।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में लोहिया के विचार पढ़ाने की तैयारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों के बारे में पढ़ाया जाएगा। जिसे पाठ्यक्रम में जोड़ने की तैयारी भी कर ली गयी है। समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डीआर साहू ने बताया कि देश में महात्मा गांधी के बाद डॉ. लोहिया ही एक ऐसे मौलिक विचारक थे, जिन्होंने सामाजिक समता की बात कही। छात्रों को डॉ. लोहिया की सप्त क्रांति, गैर बराबरी को बराबरी की ओर ले जाने वाले आर्थिक प्रबंधन व नर-नारी असमानता के बारे में पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए डॉ. लोहिया आवाज की संस्कृति की बात करते थे। वह कहते थे कि जब तक सड़क पर बात नहीं होगी तब तक संसद में बात नहीं उठेगी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

आयोजन | इससे पहले 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में विश्वविद्यालय को मिला था मौका

109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी करेगा लखनऊ विश्वविद्यालय

- प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन, 20 हजार प्रतिनिधि होंगे शामिल

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : नैक से ए डबल प्लस प्राप्त कर चुके लखनऊ विश्वविद्यालय को एक और खास अवसर मिलने जा रहा है। विश्वविद्यालय इस बार 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी करेगा। इस बात की जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने स्वयं दी है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्वविद्यालय अपने आपको सम्मानित महसूस कर रहा है।

यह विशाल वैज्ञानिक वैश्विक कार्यक्रम 2024 में 3 से 7 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में दुनिया भर से कम से कम 20 हजार प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। इसमें विश्व के कई नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिक भी प्रतिभाग करेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय। फाइल फोटो

बता दें कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस 14 व्यापक वैज्ञानिक वर्गों के शिक्षाविदों के लिए एक बैठक का विशाल क्षेत्र है जिसमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु, पशु चिकित्सा और मत्स्य विज्ञान, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान सहित), रासायनिक विज्ञान, पृथ्वी प्रणाली विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूचना और संचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर सहित) विज्ञान), गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित), चिकित्सा विज्ञान (फिजियोलॉजी सहित), न्यू बायोलॉजी (जैव रसायन, बायोफिजिक्स और आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान सहित) पर विचार-विमर्श होगा।

पांच बार मिल चुका है मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय ने इससे पहले 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में 5 बार भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी की है। वास्तव में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना का विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पी एस मैक मोहन और प्रोफेसर जे एल सिमोंसेन द्वारा दिया गया था।

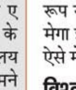

> भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन की ओर से प्रदान की गई इस विशाल जिम्मेदारी के लिए हमें बहुत गर्व और खुशी है। नैक से ए डबल प्लस हासिल करने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय को वैश्विक दर्शकों के सामने अपनी विशिष्टता और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक और मौका मिला है और इस प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।
>
> -प्रोफेसर आलोक राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

इन वर्गों के अलावा, भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी शामिल है। इस कार्यक्रम की परंपरागत रूप से भारत के प्रधान मंत्री इस मेगा इवेंट का उद्घाटन करते हैं। ऐसे में पूरा शहर जश्न में डूबेगा।

विश्वविद्यालय ने अभी से शुरू की तैयारियां

109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मेजबान के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय की भारतीय विज्ञान कांग्रेस के रिव्यू कमेटी की पूर्व स्वीकृति से घर वापसी की भावना बहुत प्रबल है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विज्ञान के इस महाकुम्भ की मेजबानी के लिए आवश्यक संसाधनों के आकलन की पहल के साथ तैयारी शुरू कर दी है।

अब फिर से होंगी आर्ट कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रयोगात्मक परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कला एवं शिल्प महाविद्यालय की साख बचाने की जद्दोजहद

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध आर्ट कालेज यानी कला एवं शिल्प महाविद्यालय अब फिर से लिखित परीक्षा के साथ प्रयोगात्मक परीक्षाओं के आधार पर प्रवेश देगा। पिछली प्रवेश प्रक्रिया से कला एवं शिल्प महाविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय की गिरती हुए साख बचाने की जद्दोजहद शुरू कर दी गई है। इसको लेकर महाविद्यालय ने अब तैयारी कर ली है।

लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध आर्ट कॉलेज यानी कला एवं शिल्प महाविद्यालय कभी अपनी साख के लिए जाना जाता था, जबकि बीते कुछ साल से लगातार अपनी पुरानी साख को खोता जा रहा था। इसको लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने पिछले साल हाईटेक करने के सपने भी दिखाए, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस की करेगा मेजबानी

स्वतंत्रभारत ब्यूरो लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कहा कि लविवि भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 109 वें वार्षिक सत्र की मेजबानी के लिए चुने जाने पर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा प्रदान की गई इस विशाल जिम्मेदारी के लिए हमें बहुत गर्व और खुशी है। यह विशाल वैज्ञानिक वैश्विक कार्यक्रम अगले वर्ष-2024 में 3 से 7 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में दुनियाभर से कम से कम 20000 प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। इसमें विश्व के कई नोबेल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिक भी प्रतिभाग करेंगे। भारतीय विज्ञान कांग्रेस 14 व्यापक वैज्ञानिक वर्गों के शिक्षाविदों के लिए एक बैठक का विशाल क्षेत्र है। जिसमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु, पशु चिकित्सा और मत्स्य विज्ञान, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान सहित), रासायनिक विज्ञान, पृथ्वी

प्रणाली विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूचना और संचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर सहित) विज्ञान), गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित), चिकित्सा विज्ञान (फिजियोलॉजी सहित), न्यू बायोलॉजी (जैव रसायन, बायोफिजिक्स और आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान सहित) पर विचार विमर्श होगा। इन वर्गों के अलावा भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी शामिल है। लविवि ने इससे पहले 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में 5 बार भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी की है। वास्तव में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना का विचार लविवि के प्रो. पी.एस.मैक मोहन और प्रो.जे.एल. सिमोंसेन द्वारा दिया गया था। 109 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मेजबान के रूप में लविवि की भारतीय विज्ञान कांग्रेस के रिव्यू कमेटी की पूर्व स्वीकृति से घर वापसी की भावना बहुत प्रबल है। लविवि ने विज्ञान के इस महाकुंभ की मेजबानी के लिए आवश्यक संसाधनों के आकलन की पहल के साथ तैयारी शुरू कर दी है। न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरा लखनऊ शहर भी जश्न में डूबा रहेगा। वहीं, परंपरागत रूप से भारत के प्रधानमंत्री इस मेगा इवेंट का उद्घाटन करते है और विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उत्सुक है। ज्ञातव्य है कि लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के कुशल दूरदर्शी नेतृत्व में विश्वविद्यालय वैश्विक पटल पर लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। प्रो. राय ने कहा है कि लविवि ने नैक में ए प्लस प्लस हासिल करने के बाद लविवि को वैश्विक दर्शकों के सामने अपनी विशिष्टता और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक और मौका मिला है और इस प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि करेगा भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी

- आगामी वर्ष 3-7 जनवरी को आयोजित होगा भारतीय विज्ञान कांग्रेस
- एसोसिएशन की ओर से जिम्मेदारी मिलने पर लविवि परिवार में गर्व और खुशी का माहौल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 109वें वार्षिक सत्र की मेजबानी के लिए चुना गया है। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहा है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा दी गयी जिम्मेदारी के लिए हमें बहुत गर्व और खुशी है। यह विशाल वैज्ञानिक वैश्विक कार्यक्रम 3-7 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में दुनिया भर से कम से कम 20 हजार प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। इसमें विश्व के कई नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिक भी प्रतिभाग करेंगे।

यह जानकारी देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस 14 व्यापक वैज्ञानिक वर्गों के शिक्षाविदों के लिए एक बैठक का विशाल क्षेत्र है जिसमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु, पशु चिकित्सा और मत्स्य विज्ञान, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान सहित), रासायनिक विज्ञान, पृथ्वी प्रणाली विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूचना और संचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कम्प्यूटर सहित विज्ञान), गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित), चिकित्सा विज्ञान (फिजियोलॉजी सहित), न्यू बायोलॉजी

(जैव रसायन, बायोफिजिक्स और आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान सहित) पर विचार विमर्श होगा। उन्होंने बताया कि इन वर्गों के अलावा, भारतीय विज्ञान कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी शामिल है।

पांच बार कर चुका लविवि की मेजबानी: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इससे पहले 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में पांच बार भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी की है। वास्तव में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना का विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. पीएस मैक मोहन और प्रो. जेएल सिमोंसेन द्वारा दिया गया था। 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मेजबान के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय की। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के रिव्यू कमिटी की पूर्व स्वीकृति से घर वापसी की भावना बहुत प्रबल है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विज्ञान के इस महाकुम्भ की मेजबानी के लिए आवश्यक संसाधनों के आकलन की पहल के साथ तैयारी शुरू कर दी है। न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरा लखनऊ शहर भी जश्न में डूबा रहेगा।

प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन, लविवि स्वागत के लिए उत्सुकः उन्होंने बताया कि परंपरागत रूप से देश के प्रधानमंत्री इस मेगा इवेंट का उद्घाटन करते हैं। विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए उत्सुक है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के कुशल दूरदर्शी नेतृत्व में विश्वविद्यालय वैश्विक पटल पर लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इस पर प्रो. राय ने कहा है कि नैक ए++ हासिल करने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय को वैश्विक दर्शकों के सामने अपनी विशिष्टता और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक और मौका मिला है और इस प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

NBT PAGE 3

एलयू को छठी बार भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेज़बानी

अगले साल 3 से 7 जनवरी तक होगा आयोजन

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू को छठी बार भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी मिली है। इस सम्मेलन का आयोजन 3 से 7 जनवरी 2024 को होगा। एलयू वीसी ने बताया कि एलयू ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री करते आए हैं। लिहाजा उम्मीद है कि इस बार भी प्रधानमंत्री ही उद्घाटन करेंगे।

जानकारी के मुताबिक, भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 109वें वार्षिक सत्र में दुनिया भर से करीब 20 हजार प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल होंगी। इसमें कई नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक भी हिस्सा लेंगे। एलयू वीसी ने बताया कि नैक ए डबल प्लस के बाद भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी से एलयू को अपनी क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का एक और मौका मिलेगा।

एलयू के पीआरओ डॉ. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इससे पहले साल 1916, 1923, 1953, 1985 और साल 2002 में भी एलयू ने भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी की है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना का विचार एलयू के ही प्रो. पीएस मैक मोहन और प्रो. जेएल सिमोंसेन ने दिया था। भारतीय विज्ञान कांग्रेस में 14 वैज्ञानिक वर्गों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके अलावा महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

LOKSATYA PAGE 2

वैज्ञानिक वैश्विक कार्यक्रम 3-7 जनवरी, 2024 तक होगा

LU को मिली इंडियन साइंस कांग्रेस की मेजबानी

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय को 'इंडियन साइंस कांग्रेस' के 109वें वार्षिक सत्र की मेजबानी का जिम्मा मिला है। इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन से मिली इस जिम्मेदारी पर कुलपति प्रो आलोक राय ने गर्व और खुशी जताई है। यह विशाल वैज्ञानिक वैश्विक कार्यक्रम 3-7 जनवरी, 2024 तक होगा। सम्मेलन में दुनियाभर से लगभग दो हजार प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

विश्व के कई नोबल पुरस्कार प्राप्त वैज्ञानिक भी भाग लेंगे। भारतीय विज्ञान कांग्रेस 14 व्यापक वैज्ञानिक वर्गों के शिक्षाविदों के लिए एक बैठक का विशाल क्षेत्र है। जिसमें कृषि और वानिकी विज्ञान, पशु, पशु चिकित्सा और मत्स्य विज्ञान, मानव विज्ञान और व्यवहार विज्ञान (पुरातत्व, मनोविज्ञान, शिक्षा और सैन्य विज्ञान सहित), रासायनिक विज्ञान, पृथ्वी प्रणाली विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूचना और संचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर सहित विज्ञान), गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित), चिकित्सा विज्ञान (फिजियोलॉजी सहित), न्यू बायोलॉजी (जैव रसायन, बायोफिजिक्स और आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान सहित) पर विचार विमर्श होगा। इन वर्गों के अलावा, इंडियन नेशनल कांग्रेस में महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस और राष्ट्र की वैज्ञानिक प्रगति और कौशल की प्रदर्शनी भी शामिल है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इससे पहले 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में पांच बार भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी की है। इंडियन साइंस कांग्रेस की स्थापना का विचार एलयू के प्रो पीएस मैक मोहन और प्रो जेएल सिमोंसेन ने दिया था।

109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के मेजबान के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय की, भारतीय विज्ञान कांग्रेस के रिव्यू कमिटी की पूर्व स्वीकृति से घर वापसी की भावना बहुत प्रबल है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विज्ञान के इस महाकुम्भ की मेजबानी के लिए आवश्यक संसाधनों के आकलन की पहल के साथ तैयारी शुरू कर दी है। न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरा लखनऊ शहर भी जश्न में डूबा रहेगा।

परंपरागत रूप से भारत के प्रधान मंत्री इस मेगा इवेंट का उद्घाटन करते हैं। विश्वविद्यालय माननीय प्रधानमंत्री के स्वागत हेतु उत्सुक है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के कुशल दूरदर्शी नेतृत्व में विश्वविद्यालय वैश्विक पटल पर लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। प्रो. राय ने कहा है कि नैक ए++ हासिल करने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय को वैश्विक दर्शकों के सामने अपनी विशिष्टता और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक और मौका मिला है और इस प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

TOI PAGE 1, 6

LU to host Science Congress next year

Isha.Jain@timesgroup.com

Lucknow: Scientists from all across the country will gather in the city to advance and promote the cause of science in the country as the Lucknow University is hosting the 109th Indian Science Congress (ISC) for the sixth time next year.

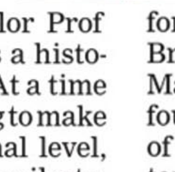

LU vice-chancellor Prof **Alok Rai** said, "It's a historic moment for us. At a time when we are striving to make it at an international level, hosting ISC will be a milestone. Incidentally, we received the letter on Tuesday, the day when the chancellor met our PM. She has even extended our invitation to inaugurate the mega scientific event."

LU has previously hosted the ISC in 1916, 1923, 1953, 1985 and 2002.

LU officials said that LU is related to the Indian Science Congress Association (ISCA) since its origin. In fact, ISCA owes its creation to the foresight and initiative of a British chemist Prof PS Macmohan who was also the founder of the department of chemistry at LU and even taught here for 26 years.

▶ Largest meet, P 5

ISC largest meet of scientists in India

▶Continued from P 1

Prof Macmohan along with Prof JL Simonsen floated the idea that scientific research in India might be stimulated if an annual meeting of research workers, on the lines of British Association for Advancement of Science, could be arranged. As a result, ISCA took birth with the objective to hold an annual congress every year to publish proceedings, journals, transactions and to popularise science. The largest gathering of scientists and students in the country, the ISC is an annual five-day event from January 3 to 7, a permanent fixture on the PM's calendar and usually his/her first public engagement in the new year.

The first meeting of the ISC was held from January 15-17, 1914 at Calcutta with Ashutosh Mookherji, the VC Calcutta University as its president. Since then, it is held every year but the dates have been changed to January 3 to 7. Around 105 scientists from India and abroad attended the first meeting and around 35 papers divided in six sections were presented.

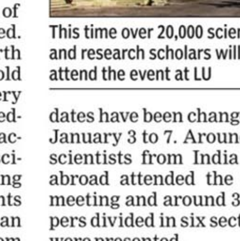

This time over 20,000 scientists and research scholars will attend the event at LU

In the following years, prominent personalities such as Prof CV Raman, Pandit Jawaharlal Nehru, Dr HJ Homi Bhabha and Dr MS Swaminathan also graced the office of general president of ISC. This time over 20,000 scientists and research scholars from all over the world are expected to attend the ISC.

HINDUSTAN TIMES PAGE 4

PhD students script, enact plays on social issues

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

LUCKNOW : For the first time, PhD students of the Department of English and Modern European Languages, University of Lucknow, scripted and enacted short plays that dealt with major themes such as sexual orientation (LGBT), addiction, parental pressure and Dalit issues.

LU PhD students act in a play on World Theatre Day SOURCED

The department organised a two-day workshop followed by performances by PhD scholars on the occasion of the World Theatre Day (March 27). "Padam Shri prof Raj Bisaria's message was read out during the event. It was the same stage where he started student production in the 1960s," said prof Meenakshi Pawha, who guided the students.

Four plays were enacted. The first play was entitled Kli which was based on parental pressure leading to suicide. The second play was on sexual (LGBT) rights, the third was on addiction (alcoholism), and the last was on dalit youths and their struggle, she said. The event was witnessed by dean, faculty of arts, prof Arvind Awasthi, DSW, Prof Poonam Tandon, head, and others.